

चमकम्

Чамакам

Ануवाка 7

अ॒गुं॒शुश्च॑ मे र॒श्मिश्च॑ मेऽदा॑भ्यश्च मेऽधि॑पतिश्च म उपा॒गुं॒शुश्च॑ मेऽन्तर्या॑मश्च म
 ऐन्द्र॑वाय॒वश्च॑ मे मैत्रा॑वरु॒णश्च॑ म आ॒श्विनश्च॑ मे प्रति॒प्र॒स्थान॑श्च मे शु॒क्रश्च॑ मे
 म॒न्थी च॑ म आ॒ग्नय॑णश्च मे वैश्व॑दे॒वश्च॑ मे ध्रु॒वश्च॑ मे वैश्वान॑रश्च म ऋ॒तु॒ग्र॒हाश्च॑
 मेऽति॒ग्रा॒ह्याश्च॑ म ऐन्द्रा॑ग्नश्च मे वैश्व॑दे॒वश्च॑ मे मरु॑त्व॒तीया॑श्च मे माहे॑न्द्रश्च म
 आदि॒त्यश्च॑ मे सा॒वि॒त्रश्च॑ मे सा॒रस्व॑तश्च मे पौ॒ष्णश्च॑ मे पा॒त्नीव॑तश्च मे
 हा॒रि॒यो॒ज॒नश्च॑ मे ॥ १४ ॥



अ॒ग॒म॒शु॒ष्च॑ मे रा॒ष्मि॒ष्च॑ मे दा॑भ्य॒ष्च॑ मे द॒धि॒प॒ति॒ष्च॑ मा उपा॒ग॒म॒शु॒ष्च॑ मे
 न॒त॒र्या॒म॒शु॒ष्च॑ मा अ॒न॒द्रा॒व॒या॒व॒शु॒ष्च॑ मे मा॒त्रा॒व॒रु॒ण॒शु॒ष्च॑ मा अ॒श्वि॒ना॒शु॒ष्च॑ मे
 प्र॒ति॒प्र॒ा॒स्थ॒ान॒शु॒ष्च॑ मे शु॒क्र॒शु॒ष्च॑ मे म॒न्थि॒ च॑ मा अ॒ग्रा॒य॒ना॒शु॒ष्च॑ मे
 वा॒य॒श्वा॒द॒वा॒शु॒ष्च॑ मे द॒ध्रु॒वा॒शु॒ष्च॑ मे वा॒य॒श्वा॒ना॒रा॒शु॒ष्च॑ मा रि॒तु॒ग्रा॒ह्या॒शु॒ष्च॑ मे
 ति॒ग्र॒ह्या॒शु॒ष्च॑ मा अ॒न॒द्रा॒ग्न॒शु॒ष्च॑ मे वा॒य॒श्वा॒द॒वा॒शु॒ष्च॑ मे मा॒रु॒त॒वा॒ति॒या॒शु॒ष्च॑ मे
 मा॒हे॒न्द्रा॒शु॒ष्च॑ मा अ॒दि॒त्या॒शु॒ष्च॑ मे सा॒वि॒त्रा॒शु॒ष्च॑ मे सा॒र॒स्वा॒ता॒शु॒ष्च॑ मे पा॒ु॒श॒ना॒शु॒ष्च॑
 मे पा॒त्नी॒वा॒ता॒शु॒ष्च॑ मे हा॒रि॒यो॒ज॒ना॒शु॒ष्च॑ मे ॥ १४ ॥

Да стану я обладателем священных сосудов под названием Амсу, Рашми, Адабхья, Адхипати, Упамсу, Антарьямая, Аиндраваява, Майтраваруна, Ашвина, Пратипастхана, Шукра, Мантхи, Аграяна, Вайшвадэва, Дхрува, Вайшванара, Ритуграха, Атиграхья, Аиндрагнья, Вайшвадэя, Мадутватия, Махендра, Адитья, Савитра, Сарасвата, Паушна, Патнивата и Харийоджана.

अ॒गुं॒शुश्च॑ मे र॒श्मिश्च॑ मेऽदा॑भ्यश्च मेऽधि॑पतिश्च म



अ॒ग॒म॒शु॒ष्च॑ मे रा॒ष्मि॒ष्च॑ मे दा॑भ्य॒ष्च॑ मे द॒धि॒प॒ति॒ष्च॑ मा

उपा॒गुं॒शुश्च॑ मेऽन्तर्या॑मश्च म ऐन्द्र॑वाय॒वश्च॑ मे



उपा॒ग॒म॒शु॒ष्च॑ मे न॒त॒र्या॒म॒शु॒ष्च॑ मा अ॒न॒द्रा॒व॒या॒व॒शु॒ष्च॑ मे



मैत्रावरुणश्च॑ म आश्विनश्च॑ मे प्रतिप्रस्थानश्च॑ मे

माित्रावरुणा॑श्चा॒ मा ँश्चि॒नाश्चा॑ मे प्रातिप्रा॒स्त॒ह्ना॑श्चा॒ मे



शुक्रश्च॑ मे मन्थी च॑ म आग्रयणश्च॑ मे

शुक्रा॑श्चा॒ मे म॒न्थी च॑ मा ँग्रा॒य॒णा॑श्चा॒ मे



वैश्वदेवश्च॑ मे ध्रुवश्च॑ मे

वा॒ि॒श्व॒दे॒वा॒श्चा॑ मे द॒ध्रु॒वा॒श्चा॑ मे



वैश्वानरश्च॑ म ऋतुग्रहाश्च॑ मेऽतिग्राह्याश्च॑ म

वा॒ि॒श्व॒वा॒ना॒रा॒श्चा॑ मा रि॒तु॒ग्रा॒ह्या॑श्चा॒ मे ति॒ग्र॒ह्या॑श्चा॒ मा



ऐन्द्राग्रश्च॑ मे वैश्वदेवश्च॑ मे मरुत्वतीयाश्च॑ मे

ऐ॒न्द्रा॒ग्रा॑श्चा॒ मे वा॒ि॒श्व॒दे॒वा॒श्चा॑ मे मा॒रु॒त॒वा॒त॒ी॒या॑श्चा॒ मे



माहेन्द्रश्च॑ म आदित्यश्च॑ मे सावित्रश्च॑ मे सारस्वतश्च॑ मे

मा॒ह॒े॒न्द्रा॑श्चा॒ मा आ॒दि॒त्या॑श्चा॒ मे सा॒वि॒त्रा॑श्चा॒ मे सा॒र॒स्वा॒ता॑श्चा॒ मे



पौष्णश्च॑ मे पालीवतश्च॑ मे हारियोजनश्च॑ मे

पो॒ष्णा॑श्चा॒ मे पा॒ली॒वा॒ता॑श्चा॒ मे हा॒रि॒यो॒ज॒ना॑श्चा॒ मे